Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सीमा पर चीन को जवाब देने के लिए कुमाऊं तैयार

तैयार

■ सेना हाई अलर्ट पर

72 वर्ष बाद चीन सीमा तक मिली सड़क की खुशी

संवाददाता

पिथौरागढ़। आजादी के 72 वर्ष बाद चीन सीमा तक मिली सड़क की खुशी। इस खुशी पर ग्रहण लगाता नेपाल तो दूसरी तरफ आंखे दिखाते चीन का जवाब देने के लिए कुमाऊं तैयार है। सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। चीन की उत्तराखंड से 345 किमी लंबी सीमा लगती है। जिसमें सर्वाधिक 123 किमी सीमा अकेले पिथौरागढ़ जिले से लगती है। यह हिस्सा तहसील धारचूला और मुनस्यारी के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में इस समय भारत तिब्बत सीमा पुलिस, सेना हाई अलर्ट पर है।

जिले की सीमा पर तीन देशों में पैदा हुए तनाव के बीच दैनिक जागरण ने चीन और नेपाल सीमा से लगे क्षेत्रों का जायजा लिया और स्थानीय लोगों के विचार लिए। ग्रामीणों ने चीन और नेपाल की इस तरह की हरकतों पर चिंता जताई परंतु सीमा को महफूज बताते चीन के इशारे पर नेपाल के कालापानी, लिपूलेख को अपना बताने को लेकर आक्रोश जताया। सीमा पर स्थित भारतीय गांव नेपाल के भू भाग को अपना बताते हैं।

लिपूलेख पर शांति है। यहां पर तीसरे चौथे दिन चीनी सैनिक सीमा तक आते हैं। अलबत्ता सीमा पर चीन के खुफिया कैमरे सीमा की सारी जानकारी लेते रहते हैं। फिलहाल किसी तरह का बहुत अधि क तनाव नहीं है। भारत की तरफ सेना, आइटीबीपी चौकस नजर रखे है। जिस कालापानी को लेकर नेपाल दूसरे देश की भाषा बोलता है वहां तक पहुंचने के लिए नेपाल में एक रास्ता तक नहीं है। नेपाल में लामारी से आगे पैदल मार्ग बनाया जा रहा है। तीन दिन पूर्व नेपाल ने यहां पर पैदल मार्ग के लिए चट्टान काटने के लिए एक छोटे से हैलीकॉप्टर से संकरे स्थल पर मशीन उतारी है।

गर्ब्यांग गांव योगेश गर्ब्याल ने बताया कि भारतीय सेना और आइटीबीपी पर पूरा भरोसा है। सरकार को यहां पर अधिक ध्यान देना होगा। व्यास घाटी के गांव चीन और नेपाल सीमा से लगे हैं। यहां पर सुरक्षा की अधिक आवश्यकता है। चीन की किसी भी हरकत का पूरा जवाब दिया जाएगा।

बदला है चीन सीमा से लगे गांवों का माहौल

चीन से सटे व्यास घाटी सात गांवों का माहौल उत्साहजनक है। चीन और नेपाल की हरकतों को लेकर थोड़ी बहुत बैचेनी भी है। नेपाल की हरकतों को लेकर गुस्सा भी है। नेपाल की इस हरकत से गुंजी और गर्ब्यांग के ग्रामीण कहते हैं कि काली नदी पार नेपाल का जो हिस्सा नजर आता है वह सारा गुंजी और गर्ब्यांग गांव का है। व्यास घाटी के सात गांवों बूंदी, गर्ब्यांग, गुंजी, नाबी, कुटी, नपलच्यू, रोंगकोंग हैं। जिनमें छह गांव इनर लाइन से आगे आते हैं केवल बूंदी गांव इनर लाइन से पीछे है। सभी गांवों में पहली बार सड़क पहुंचने की खुशी है। गांवों में वर्ष 1962 के चीन युद्ध को देखे लोग कम हैं अलबत्ता उनकी नई पीढ़ी अपने पूर्वजों द्वारा चीन युद्ध के समय भारतीय सेना को दिए गए सहयोग से खुद को गर्वित मानते हैं और कहते हैं कि वह देश के लिए अपने पूर्वजों की परंपरा का निर्वहन करने को तैयार है। ग्रामीण भारतीय सेना और सुरक्षा बलों पर भरोसा रखते हैं और खुद का सीमा प्रहरी बताते हैं।

न्यूज डायरी

केदारनाथ आपदा में मारे गए पुलिसकर्मियों और तीर्थपुरोहितों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता रुद्रप्रयाग। केदारनाथ त्रासदी की 7वीं बरसी पर आपदा में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं व पुलिस कार्मिकों के लिए केदारनाथ धाम में तीर्थपुरोहितों व पुलिस ने श्रद्धांजलि अर्पित की। 16 जून 2013 की रात्रि में भीषण आपदा आने से केदारनाथ धाम में 14 पुलिस कर्मियों के साथ ही 4700 भक्तों की जान चली गई थी। यह त्रासदी इतनी भयानक थी कि केदारनाथ पैदल मार्ग व धाम के विभिन्न स्थानों में फंसे यात्री रास्ता भटकने के कारण ठंड से भी बड़ी संख्या में मौत के मुंह में समा गए थे। वहीं, मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने केदारनाथ आपदा में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। मंगलवार को सुबह पुलिस कर्मियों, एसडीआरएफ के जवानों ने मंदिर के सम्मुख दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

जाली दस्तावेजों पर नौकरी कर रहे शिक्षकों पर क्या कार्रवाई हुई: हाईकोर्ट

संवाददाता नैनीताल। उच्च न्यायालय ने राज्य के प्राइमरी व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति पाए करीब साढ़े तीन हजार अध्यापकों के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई पर मंगलवार को सुनवाई की। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि इन अध्यापकों के खिलाफ अभी तक क्या कार्यवाही की गई। कोर्ट ने अगले सप्ताह बुधवार तक मामले में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश रंगनाथन व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ में स्टूडेंट वेलफेयर सोसायटी हल्द्वानी की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई।

मोटोरोला ने भारत में अपना प्रीमियम स्मार्टफोन मोटोरोला वन फ्यूजन प्रस्तुत किया

संवाददाता देहरादून। उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ एवं इनोवेटिव मोबाईल अनुभव प्रदान करने के सफल ट्रैक रिकॉर्ड के साथ आज मोटोरोला ने भारत में अपना एक और प्रीमियम स्मार्टफोन–नया मोटोरोला वन फ्यूजन+ प्रस्तुत किया। शिकागो, यूएसए में मोटोरोला के डिजाईन हेड क्वार्टर में विकसित किया गया, वन फ्यूजन+ पूर्णतः मेड–इन–इंडिया स्मार्टफोन है, जो भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाईन किए गए कस्टमाईज्ड फीचर्स के साथ मेड–फॉर–इंडिया है। इसमें स्नैप ड्रैगन 730जी चिपसेट और टॉप एंड 6जीबी रैम है, जो हर पैरामीटर पर सर्वश्रेष्ठ होने के साथ बहुत प्रतिस्पर्धी विशेषताएं हैं। नया स्मार्टफोन खरीदने के दौरान विकल्पों को चुनने के लिए मजबूर उपभोक्ताओं के लिए मोटोरोला की नई डिवाईस सबसे अलग है, जिसमें सभी मुख्य विशेषताएं मौजूद हैं।

पीएम को ज्ञापन भेज निजीकरण बंद किए जाने की मांग

संवाददाता देहरादून। निजीकरण बंद किये जाने सहित अनेक समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सीपीएम ने मांग दिवस के अवसर पर प्रदर्शन के माध्यम से जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमन्त्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए शीघ्र ही कार्यवाही करने की मांग की है। आज माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय में इकट्ठा हुए और वहां पर उन्होंने राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों पर जिलाधिकारी तथा परगनाधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए कहा कि कोविड 19 के दौरान अनेक समस्यायें सामने आ रही हैं उनका निदान नहीं हो पा रहा है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रव्यापी माग दिवस के अवसर पर देहरादून में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से कोविड–19 के दौरान उत्पन्न समस्याओं के प्रति प्रधानमंत्री एवं राज्य सरकार का ध्यान आर्कषित करना चाह रही है।

मांग दिवस पर प्रदर्शन करते हुए सीपीएम के कार्यकर्त्ता।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने की कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को पुनः बसाने की मांग

संवाददाता

■प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

देहरादून। कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को पुनः बसाने व उनकी रक्षा किये जाने के साथ ही आतंकवाद को समाप्त करने की मांग को लेकर अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए इस दिशा में कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

परिषद के प्रदेश अध्यक्ष बिजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय में इकट्ठा हुए और वहां पर उन्होंने जिलाधि ाकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह ने कहा कि कश्मीर में निरंतर कश्मीरी पंडितों की हत्या कर कश्मीर को पंडित विहीन करने की जिहादी मानसिकता रुकने का नाम नहीं ल रही है। केंद्र सरकार ने वादा किया था कि यदि सत्ता में आए तो कश्मीरी पंडितों को पुनःस्थापित करेंगे,वर्तमान में कश्मीर में केंद्र सरकार का शासन है कश्मीर के अनंतनाग में अजय पंडित की हत्या जेहादी मानसिकता के आतंकवादियों द्वारा बीते दिनों कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अजय पंडित वीरता के साथ जम्मू कश्मीर मे हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे थे वह वर्तमान में सरपंच थे। अजय पंडित की बेटी ने न्यूज चैनल के माध्यम से यह संदेश दिया कि अजय पंडित ने केंद्र सरकार से सुरक्षा की गुहार लगाई थी लेकिन केंद्र सरकार ने उनकी इस मांग को पूरा नहीं किया नतीजा आपके सामने है। अजय पंडित की हत्या कर दी गई।

वर्तमान में जेहादी मानसिकता के आतंकवादियों द्वारा कश्मीरी पंडितों की हत्या कर उन्हें कश्मीर में बसने से रोकने का प्रयास पूर्व से ही जारी रहा है, जिसमें अब तक 18 सरपंचों की हत्या कर दी गई, परंतु केंद्र सरकार के कानों में जूं नहीं रेंगी है। केन्द्र सरकार ने इस दिशा में किसी भी प्रकार की कार्यवाही आज तक नहीं की गई है जो चिंता का विषय है।

युवा कांग्रेसियों ने लापता सांसद के पोस्टर चिपकाए

संवाददाता हरिद्वार। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लॉकडाउन नियमों का पालन करते हुए स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के लापता के पोस्टर जगह–जगह लगाए। प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर के नेतृत्व में ज्वालापुर स्थित जिला युवा कांग्रेस कार्यालय से युवा कांग्रेसियों ने सांसद तलाश अभियान आर्यनगर से होते हुए सांसद रमेश पोखरियाल निशंक के कैम्प कार्यालय से चंद्राचार्य चौक तक पोस्टर चिपकाते हुए लोगों से पूछते गये कि क्या आपको सांसद जी कहीं मिले क्या?।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना महामारी के समय सांसद को जनता के बीच होना चाहिए, लेकिन सांसद गायब हैं। जिलाध्यक्ष रवि बहादुर ने कहा कि सांसद के कैम्प कार्यालय में भी तालों को जंक लग गया, लेकिन सांसद जनता की सुध नहीं ले रहे। विधानसभा अध्यक्ष नितिन तेश्वर और तनवीर कुरैशी ने कहा की इस आपदा में सांसद जी अपनी कविता और किताबो का विमोचन कर रहे हैं पर अपनी हरिद्वार की जनता को नहीं देख रहे।